Vol III Issue VIII Feb 2014

Impact Factor : 2.2052(UIF)

ISSN No :2231-5063

International Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

IMPACT FACTOR : 2.2052(UIF)

Welcome to GRT

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2231-5063**

Golden Research Thoughts Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest,Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

......More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.aygrt.isrj.net

Golden Research Thoughts
ISSN 2231-5063
Impact Factor : 2.2052(UIF)
Volume-3 | Issue-8 | Feb-2014
Available online at www.aygrt.isrj.net

हिन्दी उपन्यासों में समाविष्ट आधुनिक विचारधाराएं

Saroj Bala

M.A., M.Phil., UGC-NET(Hindi), B.Ed, VPO Bhaini Surjanpur, The. Meham(RohtaK)

सारांश **:-**साहित्य की गध विधाओं में उपन्यास एक महत्वपूर्ण विधा है । यह साधारण से विशिष्ट सभी पाठकों में अत्यंत लोकप्रिय है । उपन्यास एक ऐसी विधा है । जिसमें कथा होती है, घटनाएं होती है, कल्पनाएं होती है और इसके साथ–साथ यथार्थ का भी समावेश होता है । ''उपन्यास साहित्य का एक भेद है और साहित्य है भाषा के माध्यम से जीवन की अभिव्यक्ति । मानव ने अपने जीवन में जो देखा और बरता है । उसकी सार्वजनिक रूची और महत्व के अंगों पर जो कुछ विचार और अनुभव किया है उस सब का सजीव विवरण ही साहित्य है ।

प्रस्तावना :

'नॉविल' शब्द का तात्पर्य अनुभव की सहज स्वाभाविक स्थिति के निर्वाह से है । 'नॉविल' एक श्रृंखलाबद्ध कहानी है । यह कहानी वास्तव में ऐतिहासिक रूप से सत्य नहीं है । किन्तु वैसी सहज ही हो सकती है ।''

उपन्यास की परिभाषा

मुंशी प्रेमचन्द के अनुसार ''मैं उपन्यास को मानव चरित्र का चित्र मात्र समझता हूं । मानव चरित्र पर प्रकाश डालना और उसके रहस्यों को खोलना ही उपन्यास का मूल तत्व है ।

उपन्यास के तत्व

उपन्यास के निम्नलिखित मुख्य तत्व होते है–

1.कथावस्तु
2.पात्र योजना
3.संवाद
4.देशकाल तथा वातावरण
5.भाषा शैली
6.उद्देश्य

हिन्दी उपन्यासों में समाविष्ट आधुनिक विचारधाराएं

मनुष्य एक चिन्तनशील प्राणी है । उसके इसी चिन्तन के फलस्वरूप विभिन्न विचारधाराओं का विकास हुआ । प्राचीन युग में चिन्तकों के चिन्तन का प्रमुख आधार आध्यात्म था । आधुनिक युग में जीवन के यथार्थ चित्रण के साथ–साथ जीवन में प्रचलित विभिन्न विचारधाराओं की अभिव्यक्ति के द्वारा आदर्श की प्रतिष्ठा करना प्रारम्भिक हिन्दी उपन्यासों का मुख्य उद्देश्य रहा है ।

हिन्दी उपन्यासों की आधुनिक विचारधाराएं

समाजवादी विचारक उपन्यारस :–

हिन्दी के मौलिक उपन्यासों में अधिकांश उपन्यास सामाजिकता की प्रवृति को लिये हुए है । इस सामाजिकता की प्रवृत्ति का आरम्भ

भारतेन्दू युग में हुआ । मशीनी युग में भारतीय जन–जीवन के बीच सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक अनेक प्रकार की समस्याएं अपना मुंह खोले बैठी थी । गांधीवादी विचारधारा से प्रभावित होकर उपन्यासकार ने समाज की सुधारवादी नीति को अपनाकर सामाजिक समस्याओं को अपनी कलाकृतियों में प्रस्तुत करने लगा । इन समस्याओं में मुख्यतः दहेज प्रथा, बाल–विवाह, जमींदारी प्रथा आदि को प्रस्तुत किया गया । उपन्यासकारों की नजर में इन समस्याओं का सृजन व्यक्ति न होकर समाज है ।

मनोवैज्ञानिक उपन्यास :

प्रेमचन्दोत्तर काल में वैयक्तिकता स्वतंत्र चिन्तक की भावना का विकास तीव्रतम गति से हुआ है । मानव में अस्तित्व रक्षा की भावना जागृत होने में पाश्चात्य अंग्रेजी शिक्षा व वैज्ञानिक अविष्कारों का विशेष हाथ रहा है । अंग्रेजी शिक्षा व वैज्ञानिक अविष्कारों के कारण व्यक्ति में अपने शोषित पीड़ित एवं अमिट भावनाओं को आलोकित करने का स्वरूप दृष्टिकोण विकसित हुआ है ।

इसके बावजूद सजा का आतंक भी व्यक्ति के ऊपर बढ़ता गया है । अब उपन्यासकारों ने व्यक्ति के जीवन को प्रस्तुत करने में तथा उसके आदर्शात्मक स्वरूप को बननाए रखने के लिए बाहय घटनाओं व समस्याओं को उतना महत्व प्रदान नहीं किया जितना पात्रों या चरित्रों के मानसिक या भावनात्मक पहलू को मनोवैज्ञानिक उपन्यासकारों ने काल्पनिकता व भावनात्मकता से अपने को अलग कर सूक्ष्म यथार्थता को अपनाकर यह बताया कि उस व्यक्ति या पात्र के चरित्र की कठोरता तथा मृदुलता किसी न किसी मनोवैज्ञानिक कारण की देन है। यह मनोवैज्ञानिकता प्रेमचन्द के उपन्यासों में प्रकट होने लगी । परन्तु यह अस्पष्ट था । इसका स्पष्ट रूप हमें जैनेन्द के उपन्यासों में मिलता है । इलाचन्द्र जोशी के उपन्यासों प्रेत और छाया सन्यासी, पर्दे की रानी, सुबह के भूले, जहाज का पंछी में काम अहं तथा आर्थिक विषमता जनित हीनता की ग्रन्थि को प्रस्तुत किया है । 'अज्ञेय' का नाम भी मनोविश्लेषणात्मक की दृष्टि से महत्वपूर्ण है ।

राजनैतिक उपन्यास :

पाश्चात्य प्रभाव के कारण भारतीय समाज में जहां एक तरफ जमींदारों का शोषण तेज होता गया था । वही मशीनी सभ्यता ने मजदूरों की स्थिति को अत्यन्त दयनीय बना दिया । पूंजीपति मजदूरों के परिश्रम का शोषण करने लगे । इस प्रकार भारतीय समाज में कृषकों तथा मजदूरों की दशा सोचनीय हो गई । भारत के अलावा विश्व के रंग मंच पर भी उनकी यही दशा थी । आर्थिक विषमता को दूर करने के लिए मार्क्स जैसे साम्यवादी विचारकों के प्रचारित और प्रसारित किया जा रहा था । इस राष्ट्रीय योजना का प्रभाव साहित्यकारों पर भी पड़ा । हिन्दी के अधिकांश उपन्यासकारों ने युगीन आर्थिक विषमता के विरोध में कृषकों तथा मजदूरों के संगठित आंदोलन जो मानवीय अभाव पर आधारित थे, को प्रस्तुत करना, अपनी रचना का विषय बनाया । युगीन साम्यवादी विचारधारा से प्रभावित उपन्यासकार के रूप में यशपाल का नाम उल्लेखनीय है । इन्होंने दादा कामरेड, पार्टी कामरेड दिव्य, देश द्रोही जैसी उपन्यासों में वर्तमान जीवन के शोषण को व्यक्त किया है । भैरव प्रसाद गुप्त मशाल गंगा मैया, नया आदमी तथा महेन्द्रनाथ को आदमी और सिक्के, रात अंधेरी तथा भगवती चरण वर्मा आदि राजनैतिक उपन्यासकारों के रूप में विशेष ख्याति प्राप्त कर चुके है ।

ऐतिहासिक उपन्यास :

बीसवीं शताब्दी में एक अन्य प्रकार के उपन्यासों का स्वरूप भी विकसित हुआ । वह था ऐतिहासिक उपन्यास बीसवीं शताब्दी के ऐतिहासिक उपन्यासकारों का दायित्व दुहरा हो गया । पहले यह माना जाता था कि ऐतिहासिक उपन्यासों में प्रख्यात चरित्रों तथा घटनाओं का उल्लेख मात्र कर देना ही पर्याप्त है । परन्तु बीसवीं शताब्दी में ऐतिहासिक तथ्यों के प्रयोग में नवीन दृष्टिकोण विकसित हुआ । ऐतिहासिक उपन्यास में मानवीय प्रकृति और अनुभूतियों का उतना ही सूक्ष्म तथा मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन आवश्यक है । जितना सामाजिक उपन्यासों में सर्वप्रथम ऐतिहासिक उपन्यास के रूप में किशोरी लाल गोस्वामी का 'कुसुम कुमारी' नामक उपन्यास विशिष्ट है । सेठ गोस्वामी दास की 'इन्दुमति' वृंदावन लाल वर्मा का 'गढ़ कुंजल' तथा 'विरोट की पदमिनी' भी ऐतिहासिक उपन्यास हैं ।

निष्कर्ष :

उपन्यास का सम्बन्ध घटनाओं और व्यापारों से अर्थात उन बातों से है । जो संपादित की जाती है । उपन्यास जीवन की प्रतिकृति है। किन्तु जीवन का स्वरूप किसी सुनियोजित सांचे में ढलकर खड़ा नहीं होता । जीवन प्रवाह वर्षा जल की भांति बिना किसी उद्देश्य, बिना किसी योजना के चलता रहता है । उपन्यास असंभव को संभव कर दिखाता है । इसमें जीवन के चुने हुए चित्र रहते है । ये थोड़े से चित्र एक योजना को दृष्टि में रखकर अंकित होने के कारण जीवन की पूरी झांकी देने में समर्थ है ।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

त्रिभुवन सिंहः हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी संस्करण 1957
शशिभूषण सिंहलः उपन्यासकार वृंदावन लाल वर्मा राजकिशोर अग्रवाल, विनोद पुस्तक मंदिर हॉसपिटल रोड़ आगरा प्रथम संस्करण 1960
डॉ॰ राजेश रानीः हिन्दी उपन्यासों में सामाजिक चेतना, के. के. पब्लिकेशन, 109/4855/24 हरबंश स्ट्रीट, असांरी रोड़, दरियागंज, नई दिल्ली 110009
गोपाल रायः हिन्दी उपन्यास का इतिहास, राज कमल प्रकाशन, प्रा॰ लि॰

नई दिल्ली प्रथम संस्करण 2002
गोपाल रायः उपन्यास की संरचना, राज कमल प्रकाशन प्रथम संस्करण 2006
डॉ॰ सुरेश सिन्हाः हिन्दी उपन्यास,लोक भारती प्रकाशन, 15– । महात्मागांधी मार्ग इलाहाबाद–1 संशोधित द्वितीय संस्करण– 1972
ऑयन वॉट अनुवाद डॉ॰ धर्मपाल सरीन : उपन्यास का उदय, मित्तल प्रिन्टर्स के– 13, नवीन शहादरा दिल्ली–32 द्वितीय संस्करण 1990

---

[2]उपन्यासकार वृंदावन वर्मा, डॉ॰ शशिभूषण सिंहल पृ॰ 15

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.aygrt.isrj.net